Title: Raised the issue of lack of advanced communication system in Chetak and Cheeta Helicopters.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, कारगिल युद्ध के दौरान चेतक और चीता हैलीकौप्टरों की उड़ानें संचार प्रणाली का अभाव होने के कारण बन्द कर दी गई थीं। ये हैलीकौप्टर नियंत्रण रेखा के निकट जो संवेदनशील इलाके हैं वहां सूचना एकत्रित करने और वहां जो उग्रवादी हरकतें हो रही हैं, उनको देखने और उन पर नियंत्रण करने का काम करते थे। संचार प्रणाली का अभाव होने के कारण इनको आसानी से पकड़ा जा सकता था या जाम किया जा सकता था इसलिए इनको बन्द किया गया।

अध्यक्ष महोदय, भारत के महानियंत्रक एवं लेखापरीक्षक ने वायुसेना अधिकरण को हैलीकाप्टरों के लिए आधुनिक संचार प्रणाली शुरू न करने के कारण काफी लताड़ा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वायुसेना मुख्यालय द्वारा 7 करोड़ 15 लाख रुपए की आधुनिक संचार प्रणाली खरीद भी की गई, लेकिन उसका इस्तेमाल नहीं हुआ। इस सदन में उग्रवाद को लेकर निरंतर चर्चा होती रहती है। ग्राणीण अंचलों में कोई गांव ऐसा नहीं है जहां प्रति दिन शहीदों की लाश न जाती हो। यह मामला हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। उग्रवादियों से निपटने के लिए सरकार को जितनी मजबूती से काम करना चाहिए और जितने आधुनिक संचार तंत्र का इस्तेमाल करना चाहिए, वह न होकर उसमें कोताही बरतने का काम किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं भारत सरकार से चाहूंगा कि जब आधुनिक संचार की तकनीक 7 करोड़ 15 लाख रुपए में खरीद ली गई, उसके बावजूद उसका प्रयोग नहीं हुआ, इसके लिए वायु सेना के जो भी अधिकारी जिम्मेदार हैं, सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करना सुनिश्चित करे।